बालभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – चतुर्थ **दिनांक -25 -11 -2020**

विषय -हिन्दी **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज संज्ञा के बारे में अध्ययन करेंगे।

संज्ञा – संज्ञा के भेद के अंतर्गत हम – संज्ञा की परिभाषा, संज्ञा के कुछ उद्धरण , संज्ञा के भेद – व्यक्तिवाचक संज्ञा, जातिवाचक संज्ञा, भाववाचक संज्ञा और भाववाचक संज्ञाओं की रचना के बारे में पड़ेगे |

संज्ञा की परिभाषा- किसी व्यक्ति वस्तु स्थान प्राणी और भाव आदि के नाम को संज्ञा कहते हैं ।

दिन निकल आया ।

पक्षी चहचहाने लगे ।

पिताजी उठकर घूमने चले गए।

संज्ञा के भेद

(1) व्यक्तिवाचक संज्ञा

(2) जातिवाचक संज्ञा

(3) भाववाचक संज्ञा

(1) व्यक्तिवाचक संज्ञा – संज्ञा के भेद

संज्ञा शब्दों से किसी विशेष व्यक्ति विशेष प्राणी विशेष स्थान और विशेष वस्तु आदि के नाम का पता चलता है, उन्हें व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं।
जैसे- ताजमहल, राजा, दशरथ, नैनीताल, भागवत गीता, चेतक

(2) जातिवाचक संज्ञा – संज्ञा के भेद

वे संज्ञा शब्द जो किसी विशेष व्यक्ति या वस्तु के विषय में न बताकर संपूर्ण जाति का बोध कराएँ, उन्हें जातिवाचक संज्ञा कहते हैं।
जैसे – मछली, हाथी, नारी, चींटी, दुकान, गांव गली, पुस्तक, बर्तन, सब्जी आदि ।

वे संज्ञा शब्द जो किसी विशेष व्यक्ति या वस्तु के विषय में न बताकर संपूर्ण जाति का बोध कराएँ, उन्हें जातिवाचक संज्ञा कहते हैं।
जैसे – मछली, हाथी, नारी, चींटी, दुकान, गांव गली, पुस्तक, बर्तन, सब्जी आदि ।

(3) भाववाचक संज्ञा – संज्ञा के भेद

जिन संज्ञा शब्दों से किसी प्राणी या वस्तु की स्थिति भाव और दशा आदि का पता चलता है, उन्हें भाववाचक संज्ञा कहते हैं ।
जैसे- लंबाई, सुंदरता, बचपन, बुढापा, भाईचारा मित्रता, क्रोध, दया आदि ।

समूहवाचक संज्ञा

जिन संज्ञा शब्दों से किसी समूह या समुदाय का बोध हो, उन्हें समूहवाचक या समुदायवाचक संज्ञा कहते हैं।

जैसे – कक्षा में सभी विद्यार्थी पढ़ रहे हैं।
कवियों की सभा हो रही है ।

अन्य उदाहरण

मधुमक्खियों का झुंड,
कक्षा, भीड़, टोली, दल आदि।